पंजाब केसरी 22-03-2025

जी.एम.एन. कॉलेज में जियोफिजिक्स पर हुआ विशेष व्याख्यान

जियोफिजिक्स के क्षेत्र में काम करने के लिए भौतिकी, गणित और भूविज्ञान में मजबूत आधार की आवश्यकता : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 21 मार्च (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में शुक्रवार को डा. रोहित दत्त के मार्गदर्शन में भौतिकी विभाग द्वारा 'जर्नी टू द सैंटर ऑफ अर्थ, करियर प्रॉस्पेक्टस इन जियोफिजिक्स' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूभौतिकी विभाग के चेयरमैन प्रो. डा. बी.एस. चौधरी ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज के भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. एस.के. पांडे ने मुख्य वक्ता का स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया।

अपने संदेश में प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि जियोफिजिक्स के क्षेत्र में काम करने के लिए भौतिकी, गणित और भूविज्ञान में मजबूत आधार की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों को विषय संबंधी जानकारी देते हुए मुख्य वक्ता डा. बी.एस. चौधरी ने बताया कि भूभौतिकी यानी जियोफिजिक्स पृथ्वी की भौतिकी है। इसके अंतर्गत पृथ्वी संबंधी सारी समस्याओं की छानबीन होती है। साथ ही यह एक प्रयुक्त विज्ञान भी है, क्योंकि इसमें भूमि समस्याओं और प्राकृतिक रूपों में उपलब्ध पदार्थों के व्यवहार की व्याख्या मूल विज्ञानों की सहायता से की जाती है। इसका विकास भौतिकी और भौमिकी से हुआ है। भूभौतिकी के लगभग 10 उपविभाग हैं, जिनमें ग्रह विज्ञान, वायु विज्ञान, मौसम विज्ञान, जल विज्ञान, समुद्र विज्ञान, भूकंप विज्ञान, ज्वालामुखी विज्ञान, भूचुंबकत्व, भूगणित और विवर्तनिक भौतिकी शामिल हैं।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में विशेष व्याख्यान के लिए आए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूभौतिकी विभाग के चेयरमैन प्रो. डा. बी.एस. चौधरी का स्वागत करते आयोजक। (देवदत्त)

जियोफिजिक्स के क्षेत्र में करियर के अवसरों के बारे में जानकारी देते हुए डा. चौधरी ने बताया कि भूभौतिकी में करियर एक चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद हो सकता है, जो पृथ्वी के बारे में हमारी समझ को बेहतर बनाने में मदद करता है। पावर प्वाइंट प्रिजैंटेशन के माध्यम से मुख्य वक्ता में जियोफिजिक्स के क्षेत्र में हीरा अन्वेषण, तेल एवं गैस, भूकंप, वेल लॉगिंग, जियो फोन के उपयोग, भूमिगत जल, एयरबोर्न मैग्नेटिक सर्वेक्षण, रिमोट सैंसिंग एवं अनुप्रयोग, सुरंग का पता लगाना, माइक्रोग्रैविटी, सुनामी, भूस्खलन, खतरनाक/परमाणु अपशिष्ट निगरानी, रेडियोधर्मी अपशिष्ट निगरानी, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस के अंतर्गत डेटा अधिग्रहण, डेटा प्रोसेसिंग एवं डेटा व्याख्या आदि पर विशेष रूप से चर्चा की। जियोलॉजी के क्षेत्र में करियर के अवसरों में इकोनॉमिक जियोलॉजिस्ट, एन्वॉयरनमैंटल जियोलॉजिस्ट, इंजीनियरिंग जियोलॉजिस्ट एवं एटमॉस्फेरिक साइंटिस्ट शामिल हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने मुख्य वक्ता से प्रश्न पूछे एवं संतोषजनक उत्तर प्राप्त किए। भौतिकी विभाग से डा. नियति ने कार्यक्रम में मंच का संचालन किया। मुख्य वक्ता का अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकालकर कार्यक्रम में आने और छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डा. एस.एस. नैन, डा. कुलदीप यादव, डा. के.के. पूनिया, डा. शिखा जग्गी, डा. मीनू राठी, डा. पिंकी, डा. राजेश सैनी, डा. उपेंद्र कौर, डा. सुरजीत सिंह एवं प्रो. नीलम आदि कॉलेज के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक विभाग के सदस्य उपस्थित रहे।